बीम्स से किया जाएगा बाढ़ का बेहतर प्रबंधन

राज्य ब्यूरो, पटना : आधुनिक तकनीक को अपनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए जल संसाधन विभाग ने राज्य में तटबंधों और नदियों से संबंधित आंकड़ों के बेहतर प्रबंधन के लिए एक नया सिस्टम विकसित किया है। इसे बिहार इम्बैंकमेंट एसेट मैनेजमेंट सिस्टम (बीम्स) नाम दिया गया है। नए सिस्टम की जानकारी देने के लिए विभाग अधिकारियों एवं अभियंताओं को जल संसाधन मंत्री संजय झा की अध्यक्षता में शुक्रवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

बीम्स को जल संसाधन विभाग के बाढ़ प्रबंधन सुधार सहायक केंद्र, पटना ने तैयार किया है। इस सिस्टम में नदियों के गुणों और तटबंधों की स्थिति से संबंधित आंकड़ों, विभाग की परिसंपत्तियों की जानकारी, नदियों के बदलते व्यवहार से जुड़े तथ्यों, बाढ़ से सुरक्षा की योजनाओं की निगरानी, विभिन्न स्टोर में उपलब्ध मैटेरियल और योजनाओं के टेंडर से संबंधित जानकारी इत्यादि एक साथ उपलब्ध होगी।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए संजय झा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निदेशानुसार विभाग बाढ़ प्रबंधन के कार्य को अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर नई तकनीक को अपना रहा है। बीम्स को तैयार किया गया है। इस सिस्टम पर राज्य की नदियों और तटबंधों से जुड़ी सभी जरूरी जानकारियां एक साथ उपलब्ध होंगी। इससे बाढ़ प्रबंधन में मदद मिलेगी।

तैयारी

- नई तकनीक को अपनाने की दिशा में जल संसाधन विभाग ने बढ़ाया एक और कदम
- जल संसाधन मंत्री संजय झा की अध्यक्षता में हुआ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

संजय झा। ● जागरण आर्काइव

बाढ़ प्रक्षेत्र में नई तकनीक अपनाएगा जल संसाधन विभाग

राज्य ब्यूरो, पटना : बिहार में हर साल आने वाली बाढ़ से तटबंधों की दीर्घकालिक सुरक्षा और कटाव को रोकने के लिए जल संसाधन विभाग इस साल प्रयोग के तौर पर हर बाढ़ प्रक्षेत्र (फ्लड जोन) में कम-से-कम एक योजना में नई टेक्नोलाजी अपनाएगा। इससे होने वाले लाभ का आकलन करने के बाद इसे अन्य योजनाओं में लागू करने पर विचार किया जाएगा। जल संसाधन मंत्री संजय झा ने बताया कि संजय झा ने बताया कि घनी आबादी के सामने तटबंध को सुदृढ़ बनाने के लिए वर्ष 2020 में पहली बार कमला नदी के तटबंध पर स्टील शीट पाइलिंग तकनीक का उपयोग किया गया था। इसका अच्छा परिणाम दिख रहा है।